

कार्यालय परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड
कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून।

संख्या— /स0सु0/ई-70070/1-8(216)/2025

दिनांक मई, 2025

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,

उत्तराखण्ड।

विषय: ऐसे नेक व्यक्ति, जिसने मोटर वाहन से जुड़ी घातक दुर्घटना के पीड़ित की तत्काल सहायता करके और दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर उसे चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल/ट्रॉमा केयर सेंटर पहुंचाकर जान बचाई हो, को "राह-वीर योजना" के अन्तर्गत पुरस्कार प्रदान किये जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक इस कार्यालय के पत्र संख्या-138130/स0सु0/1-8(216)/ई-70070/2024 दिनांक 20-12-2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके अन्तर्गत सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले नेक नागरिक को प्रोत्साहित किए जाने हेतु 'गुड सेमेरिटन पुरस्कार' योजना के संबंध में मानक प्रचालन प्रक्रिया निर्गत की गयी थी।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के परिपत्र संख्या-आरटी- 25035/27/2021-आरएस दिनांक 21-04-2025 के अन्तर्गत ऐसे नेक व्यक्ति, जिसने मोटर वाहन से जुड़ी घातक दुर्घटना के पीड़ित की तत्काल सहायता करके और दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर उसे चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल/ट्रॉमा केयर सेंटर पहुंचाकर जान बचाई हो, को "राह-वीर योजना" हेतु गाईडलाइन्स निर्गत की गयी है। निर्गत गाईडलाइन्स के मुख्य बिन्दु निम्नवत् है:-

1. उक्त योजना दिनांक 21-04-2025 से प्रवृत्त की गयी है तथा दिनांक 31-03-2026 तक लागू रहेगी।
2. योजना में ऐसे व्यक्ति, जिसने मोटर वाहन से जुड़ी घातक दुर्घटना के पीड़ित की तत्काल सहायता करके और दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर उसे चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई हो, पात्र होंगे।
3. प्रत्येक गुड सेमेरिटन/राह-वीर को निम्नलिखित प्राविधानों के अन्तर्गत रूपये 25,000.00 की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जायेगी:-
 - क. यदि एक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना के एक या अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो पुरस्कार की राशि केवल 25,000.00 रुपये होगी।
 - ख. यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना के एक पीड़ित की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार की राशि यानी 25,000.00 रुपये उनके बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी।
 - ग. यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना के एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार की राशि प्रति पीड़ित 25,000.00 रुपये होगी, जो अधिकतम 25,000.00 रुपये प्रति गुड सेमेरिटन होगी।

4. गार्डलाइन्स के प्रस्तर 7 के अनुसार योजना में पुरस्कार हेतु चयन जिला स्तर पर सम्बन्धित जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित मूल्यांकन समिति द्वारा मासिक आधार पर किया जाएगा। समिति में सम्बन्धित जिले में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी, संभागीय/सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे।

5. उपरोक्तानुसार मासिक आधार पर चिन्हित व्यक्तियों की सूची परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड को अग्रिम कार्यवाही हेतु अग्रसारित की जाएगी, जिसमें राह-वीर के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण, यथा-नाम, पिता का नाम, पता, आधार नम्बर, पहचान पत्र, बैंक खाते का विवरण (खात संख्या, बैंक का नाम, शाखा कार्यालय, आईएफएससी कोड) अंकित होगा।

6. परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड द्वारा चयनित राह-वीर/गुड सेमेरिटन को निर्धारित प्रक्रियानुसार ऑनलाईन माध्यम से भुगतान की कार्यवाही की जाएगी।

7. योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा राज्य स्तर पर प्रमुख सचिव/सचिव, गृह विभाग की अध्यक्षता में गठित अनुश्रवण समिति द्वारा की जाएगी, जिसमें महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, निदेशक, यातायात सदस्य होंगे। परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड उक्त समिति के सदस्य सचिव होंगे।

अतः भारत सरकार द्वारा निर्गत नवीन योजना की प्रति इस आशय से संलग्न कर प्रेषित की जा रही है कि कृपया स्थानीय स्तर पर उक्त योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने और नवीन योजना के अनुसार गुड सेमेरिटन को पुरस्कार प्रदान किये जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

संलग्न-यथोक्त।

भवदीय,

(बृजेश कुमार सन्त)

Senior Brijesh Kumar Sant

Date: 14-05-2025

16:19:26

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. अवर सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. प्रमुख सचिव/सचिव, परिवहन विभाग/गृह विभाग/चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक, यातायात, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, उत्तराखण्ड।
6. समस्त संभागीय परिवहन अधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।

(बृजेश कुमार सन्त)

परिवहन आयुक्त।

RT-25035/27/2021-RS
Ministry of Road Transport and Highways
Government of India
(Road Safety Cell)

Date : 21st April , 2025

Subject: Scheme Guidelines on Rah-Veer (erstwhile Scheme for grant of Award to the Good Samaritan who has saved life of a victim of a fatal accident involving a motor vehicle by administering immediate assistance and rushing to Hospital/ Trauma Care Centre within the Golden Hour of the accident to provide medical treatment.)

1. Background:

1.1 Road safety is a complex issue of concern, considering its magnitude and gravity and the negative impacts on the economy, public health and the general welfare of the people, particularly those with low income. Although, various road safety improvement programs are being implemented, these have not had the required impact, and the number of road accidents and fatalities continue to rise. With motorization witnessing a 10% compound growth every year and expanding road network, travel risks and traffic exposure grow at a much faster rate. Today, road traffic injuries are one of the leading causes of deaths, disabilities and hospitalizations, with severe socio-economic costs across the world.

1.2 The main thrust of accident prevention and control across the world has been on 4 E's, vis. (i) Education, (ii) Enforcement, (iii) Engineering and (iv) Environment and Emergency care of road accident victims. The Government of India has been focusing on all these four approaches in its policies and programmes.

1.3. As per provisions under Section 134A of the Motor Vehicle Amendment Act 2019, Rules for Good Samaritan have been notified by the Ministry of Road Transport and Highways vide Notification No. GSR 594E dated 29th September, 2020. Basically the rules provide legal protection to the people who give reasonable assistance those who are, or who they believe to be, injured, ill, in peril, or otherwise incapacitated.

1.4 Now, it has been felt that there is a need to motivate the general public, "**through cash awards and certificates**", to help the road accident victims in emergency situation and to boost their moral, and also to inspire and motivate others to save lives of the road accident victims.

2. Name of the Scheme:

The scheme shall be called as the "Rah-Veer".

Amur
21/04/2025

3. Period of Operation of the Scheme:

The scheme will remain operational till the completion of the 15th Financial Cycle, i.e. till 31st March, 2026.

4. Objective of the scheme:

To motivate the general public to help the road accident victims in emergency situation, inspire and motivate others to save innocent lives.

5. Eligibility:

Any individual who has saved life of a victim of a serious accident involving a motor vehicle by administering immediate assistance and rushing to Hospital within the Golden Hour of the accident to provide medical treatment.”

5.1 Definition of Golden Hour:

As per Motor Vehicle Act section 2(12A) “golden hour” means the time period lasting one hour following a traumatic injury during which there is highest likelihood of preventing death by providing prompt medical care

5.2 Definition of Serious Accident:

Any Road accident involving motor vehicle leading to any of the following conditions during treatment to victim and certificate of fatality/seriousness by Hospital:

- a. Major surgery involved
- b. Minimum three day of hospitalization
- c. Brain injuries
- d. Spinal cord injuries
- e. Death of the victim during treatment

6. Financial Assistance (in the form of Award):

6.1 The amount of award for each Rah-Veer (Good Samaritan) would be Rs. 25,000/- per incident, subject to the following provisions:

- a. If one Rah-Veer (Good Samaritan) saves life of one or more victims of a single serious accident involving a motor vehicle, amount of award will be Rs. 25,000/- only.
- b. If more than one Rah-Veer (Good Samaritan) save life of one victim of a serious accident involving a motor vehicle, amount of award i.e. Rs. 25,000/- will be divided equally among them.



- c. If more than one Rah-Veer (Good Samaritan) saves life of more than one victims of a serious accident involving a motor vehicle, amount of award will be Rs. 25,000/- per victim saved subject to maximum Rs. 25,000/- per Good Samaritan.

6.2 Every cash award would be accompanied with a "Certification of Appreciation".

6.3 Besides award in each case as per para 6.1, there will be 10 National Level Awards for the most worthy Rah-Veer / Good Samaritans (who will be selected from all those who have been awarded during the whole year) and they would be given Award of Rs. 1,00,000/- each.

7. **Procedure to be followed for Selection:**

7.1 In case the incident is informed to the police at the first hand by the Rah-Veer (Good Samaritan), after verifying details from Doctor the police shall provide an Acknowledgment to such Rah-Veer (Good Samaritan), on official letter pad, mentioning the name of the Rah-Veer (Good Samaritan), his mobile number and address, place, date and time of incident and how the Rah-Veer (Good Samaritan) has helped in saving the life of the victim etc. The copy of the Acknowledgement would be sent to the **Appraisal Committee formed at District Level under the Chairmanship of District Magistrate** by the concerned police station, with a copy marked to the Rah-Veer(s) / Good Samaritan(s). A standard and uniform format for the acknowledgement to be provided to the Rah-Veer (Good Samaritan) by the local police should be used throughout India as per **Annexure – A**.

7.2 In case the Rah-Veer (Good Samaritan) takes the victim to the hospital directly, the concerned hospital shall provide all the details to concerned police station. The police shall provide an Acknowledgment to such Good Samaritan, on official letter pad, mentioning the name of the Rah-Veer (Good Samaritan), his mobile number and address, place, date and time of incident, how the Rah-Veer (Good Samaritan) has helped in saving the life of the victim, etc. The copy of the Acknowledgement would be sent to the Appraisal Committee formed at District Level under the Chairmanship of District Magistrate with a copy marked to the Rah-Veers / Good Samaritan(s).

7.3 The Appraisal Committee at the District Level would comprise District Magistrate, SSP, CMOH, RTO (Transport Department) of the concerned District.

A State Level Monitoring Committee under Chairmanship of Principal Secretary (Home) and having Commissioner (Health) & ADGP (Traffic & RS) as members and Commissioner (Transport) as member Secretary shall do Quarterly Meetings to monitor the proper implementation of scheme.

7.4 On receipt of communication from the Police Station/Hospital, District Level Appraisal Committee shall review and approve the proposals on a monthly basis. This list would be



sent to the Transport Commissioner of the concerned State / UT Transport Department for further necessary action. The payment for selected Rah-Veer (Good Samaritan) would be made online through PFMS in their Bank Account directly by the O/o Transport Commissioner, Transport Department of the State/UT. Reimbursement, for the same will be provided by MoRTH to the State/ UT Transport Department on monthly basis.

7.5 By 30th September or date decided by MoRTH every year, the State Level Monitoring Committee of each State/UT will nominate three most worthy proposal for national level awards on yearly basis to this Ministry for further consideration.

7.6 An Appraisal Committee of MoRTH headed by AS/JS (Road Safety) and also comprising of Director/Deputy Secretary (Road safety), Director / Deputy Secretary (Transport) and Dy. Financial Advisor / MoRTH shall review the proposals received from each States / UTs and select the best ten Rah-Veers (Good Samaritans) of the year. They will be awarded with Rs. 1,00,000/- each along with a Certificate and trophy during NRSM in Delhi.

7.7 Any provision of these guidelines would not come as a barrier for the Notification issued by this Ministry on 29.09.2020 for the Good Samaritan (**copy enclosed**).

7.8 The information provided by the Rah-Veer (Good Samaritan) voluntarily would be used exclusively for the processing of proposal for award under the scheme and not for any other purpose. Also, Rah-Veer (Good Samaritan), who are not willing to disclose their details, would not be awarded under the scheme.

7.9 An individual Rah-Veer (Good Samaritan) can be awarded maximum 5 times in a year.

7.10 State Government will publicize this scheme through various means like print & social media, etc.

8. As financial implication has been worked out based upon various assumptions. Eligibility Criteria, Definition of Serious accident and financial implications may be reviewed by Ministry after two years.

9. **Release of financial assistance by MoRTH:**

9.1 MoRTH will provide Rs. 25.00 Lakhs as initial grant to the Office of Transport Commissioner, The initial grant already released to a State/UT under the scheme will be adjusted while calculating the initial grant to that State/UT. Department of Transport of the State/UT for making payment to the Rah-Veers (Good Samaritans). A separate bank account shall be maintained for this scheme by the O/o Transport Commissioner.



9.2 The Deputy Commissioner / Collector / District Magistrate who is also the Chairperson of the District Road Safety Committee, shall, on the recommendations of the Appraisal Committee, upload the details of the beneficiary of the Rah-Veer award scheme along with the Aadhar Number or bank Account Number on the e-DAR platform and the Award shall be disbursed by the O/o Transport Commissioner, Department of Transport of the State/UT through PFMS directly to the beneficiary awardee online in their Bank Account within 7 days of the uploading of beneficiary details. The amount would be reimbursed by the MoRTH on demand from the O/o Transport Commissioner, Department of Transport of the State/UT with UC of the earlier release(s) and details of Rah-Veers (Good Samaritans) awarded against that release(s) to the Ministry.

9.3 The details of the Rah-Veer (Good Samaritan) who have been awarded shall be entered in the eDAR portal developed by MoRTH by the concerned Officials of the State/UT Transport Department and they will also ensure that the details have been uploaded on the portal before submitting of demand for next instalment to this Ministry for necessary reimbursement.

9.4 As provisioned under Section 134A of the Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 and Rules for Good Samaritan notified vide Notification No. GSR 594E dated 29th September, 2020, no Rah-Veer (Good Samaritan) would be subjected to any legal proceedings without their consent. In case of any breach of protection provided to Good Samaritans / Rah-Veer under the aforementioned rules, the Rah-Veer / Good Samaritan would approach the Grievance Redressal Committee to be established by the States / UTs under chairmanship of concerned Deputy Commissioner / Collector / District Magistrate.

10. The revised Scheme would be effective w.e.f 21st April, 2025.



Annexure-A

**Form for Acknowledgement for Rah-Veer / Good Samaritan Award
(To be given by the Police Station)**

Acknowledgement for the act performed by Rah-Veer / Good Samaritan under the " Rah-Veer " Scheme of Ministry of Road Transport and Highways, Govt of India	
PERSONAL DETAILS	
Name of the Rah-Veer / Good Samaritan (Pls use separate sheet for each Good Samaritan, in case it is more than one individual)	
Mobile Number	
Address	
Place of Accident (with detailed address)	
Date & Time of Accident	
Bank Account Details	
Bank Name (with address):	Account Number:
Account Holder Name:	IFSC Code:
CERTIFICATION BY POLICE DEPARTMENT	
Name of the Police Station (with address & Tel No.):	
Name and Mobile number of the In-charge of the concerned police station	
Description of the Incident (explain in brief the act performed by Rah-Veer / Good Samaritan that has helped in saving life of the victim) and to confirm that the aid was provided by the Rah-Veer / Good Samaritan within the stipulated time of Golden Hour	
CERTIFICATION BY HOSPITAL	
Name of the Doctor who attended first (with the Name and address of the Hospital)	
Name and Telephone number of the Hospital Head (MD/Director/Superintend, etc.)	
Brief Reason as to why it has been treated as serious accident and to confirm that the aid was provided by the good Samaritan within the stipulated time of Golden Hour	
Signature of Authorized Official (with official seal)	

Date:

Place:

(Signature of the Authorized signatory)
[Name and Designation of the Authorized Signatory]

